न्यायालय
सहायक कलक्टर/उपखण्ड अधिकारी
धोरीमन्ना–बाडमेर
(पीठासीन अधिकारी –भागीरथराम आर.ए.एस.)

प्रार्थना पत्र सं.:–80 / 2025 दर्ज तिथिः–19.05.2025

1. पदमीदेवी पत्नी रावताराम
जाति जाट निवासी केरली नाडी ,बूठ जैतमाल, तहसील धोरीमन्ना जिला बाड़मेर
– प्रार्थीनी

<u>बनाम</u>

1. खेताराम पुत्र पदमाराम
2. जेठाराम पुत्र पदमाराम
3. मुकेश कुमार पुत्र पदमाराम
4. शांतिदेवी पत्नी पदमाराम
5. राजूराम पुत्र देरामाराम
6. कलाराम पुत्र राजूराम
7. वगाराम पुत्र राजूराम
8. गोसाईराम पुत्र राजूराम
9. हरीयों पत्नी राजूराम
10. भगाराम पुत्र धनाराम
11. दूदाराम पुत्र धनाराम
12. दमाराम पुत्र धनाराम
13. रूखाराम पुत्र धनाराम
14. भीखी पत्नी धनाराम
15. भीमाराम पुत्र चेतनराम
16. चेतनराम पुत्र खूमाराम
17. दीपाराम पुत्र खूमाराम
18. कालूराम पुत्र खूमाराम
19. किशनाराम पुत्र खूमाराम
20. नाथाराम पुत्र दीपाराम
21. लिखमाराम पुत्र रामाराम
22. गवरी देवी पत्नी पदमाराम
23. खेराजराम पुत्र अचलाराम
जाति जाट निवासी केरली नाडी पटवार हल्का बूठ जैतमाल तहसील धोरीमना जिला बाड़मेर

Signature Not Verified

Digitally signed by Bhagirath Ram Bishnoi
Date: 2025.09.29 14:14:29 IST
Reason: SelfAttested

......................असल अप्रार्थीगण

उपखण्ड अधिकारी
धोरीमन्ना,बाडमेर

पदमीदेवी बनाम खेताराम
2025/142
निर्णय दिनांक:–01.08.2025

उपस्थित अधिवक्ता
प्रार्थी:–श्री हापूराम
अप्रार्थीगण– एकतरफा।

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–111,128
राजस्थान भू–राजस्व अधि–1956

–:निर्णय:–

निर्णय तिथि:–01.08.2025

1. आज यह पत्रावली प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–111,128 राजस्थान भू–राजस्व अधि–1956 वास्ते निर्णय हेतु पेश हुई। प्रकरण का सुक्ष्म वृतान्त इस प्रकार से है कि प्रार्थीनी द्वारा प्रार्थना पत्र पेश कर निवेदन किया कि प्रार्थीनी की हाल आराजी खसरा संख्या 392/363/3.0109 है0 वांके ग्राम केरली नाडी, पटवार हल्का बूठ जैतमाल, तहसील धोरीमन्ना जिला बाड़मेर में स्थित है। उक्त वर्णित आराजी प्रार्थीनी की कब्जेकाश्त खातेदारी की आराजी है एवं आराजी पर प्रार्थीनी काबिज रहकर बिना किसी बाधा वो रूकावट के काश्त करते चले आ रहे है। उक्त खातेदारी आराजी से अप्रार्थीगण का कोई हक संबंध किसी प्रकार का नहीं है। अप्रार्थीगण प्रार्थीनी की आराजी के कार्यकाश्त में बाधा डालते हैं। उक्त आराजी का मौके पर सीमांकन नहीं होने से प्रार्थीनी द्वारा सीमांकन कराए जाने बाबत तहसीलदार धोरीमन्ना के यहां प्रार्थना–पत्र पेश किया जिस पर तहसीलदार धोरीमन्ना के आदेश दिनांक 26.06.2025 के तहत हल्का पटवारी द्वारा दिनांक 29.06.2025 को सीमाज्ञान कार्यवाही शुरू की गई परन्तु पड़ौसी खसरों के खातेदार/अप्रार्थीगण द्वारा पैमाईश की कार्यवाही पूर्ण नहीं करने दी तथा झगड़े पर उतारू होकर प्रार्थीनी की आराजी को अपनी आराजी में मिलाना चाहते है। अब प्रार्थीगणअपनी आराजी खसरे की पत्थरगढ़ी कराना चाहते है। अंत में प्रार्थना–पत्र प्रार्थीनी स्वीकार कर आराजी उक्त की पत्थरगढ़ी किये जाने के आदेश जारी करने का निवेदन किया गया।

2. प्रार्थीनी का प्रार्थना पत्र दर्ज रजिस्टर किया गया एवं अप्रार्थीगण को जरिये नोटिस तलब किया गया। अप्रार्थीगण बावजूद विधिवत तामील अनुपस्थित होने के कारण उनके विरूद्ध एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई गयी।

3. न्यायालय द्वारा विद्वान अधिवक्ता प्रार्थीनी की बहस सुनी गई। दौराने बहस प्रार्थीनी अधिवक्ता द्वारा प्रार्थना–पत्र में अंकित तथ्यों को दोहराते हुए प्रार्थना–पत्र प्रार्थीनी स्वीकार कर आराजी की पैमाईशकी जाकर पत्थरगढ़ी के आदेश जारी करने का निवेदन किया है।

4. मैंने बहस प्रार्थीनी अधिवक्ता पर मनन किया। प्रकरण में सर्वप्रथम राजस्थान भू–राजस्व अधिनियम–1956 की धारा–111 का उद्धरण यहां प्रा[illegible] जो कि इस प्रकार है:–

> ***111. Decision of disputes as to [illegible]dar[illegible]–(1)*** *In case of any dispute concerning any boundaries the [illegible] Records Officer shall decide such dispute, so far as possible, [illegible] the basis of the existing survey maps and, where this is not possible or such maps are not available, on the basis of actual possess[illegible]*

Signature Not Verified
Digitally signed by Bhagirath Ram Bishnoi
Date: 2025.09.29 14:14:29 IST
Reason: SelfAttested

उपखण्ड अधिकारी
धोरीमन्ना, बाड़मेर

(2) If, in the course of an inquiry into a dispute under this section the Land Records Officer is unable to satisfy himself as to which party is in the possession or it if is shown that possession has been obtained by wrongful dispossession of the lawful occupants within a period of three months previous to the commencement of the inquiry, the Land Records Officer shall ascertain by summary inquiry who is the party best entitled to possession and shall then fix the boundary accordingly.

5. राजस्थान भू–राजस्व अधिनियम–1956 की धारा–111 के अनुसार खसरों की सीमाओं के विवाद को हाल राजस्व नक्शे के अनुसार तथा हाल राजस्व नक्शे के उपलब्ध न होने पर वास्तविक कब्जे के आधार पर निस्तारित किये जाने के प्रावधान बनाये गये है। खसरों की सीमाओं के विवाद को निस्तारित करने की प्रक्रिया के सम्बन्ध में राजस्थान भू–राजस्व अधिनियम–1956 की धारा–128 के तहत प्रावधान बनाये गये है। अतः प्रकरण में साथ ही राजस्थान भू–राजस्व अधिनियम–1956 की धारा–128 का उद्धरण यहां प्रासंगिक है। जो कि इस प्रकार है:–

> ***128. Boundary disputes.*** *- All disputes concerning boundaries shall be decided by the Land Record Officer in the manner laid down in section 111:*
>
> ***Provided that*** *applications in relation to boundaries of fields may be made to and disposed of by the Tehsildar in cases where there exists no dispute as to such boundaries but on account of the absence of proper boundary marks there is the likelihood of such a dispute arising.*

6. उक्त विधिक प्रावधानों के संदर्भ में पत्रावली पर संलग्न दस्तावेजात् जमाबंदी अंतिम चौसला आधार संवत् 2072–75 जमाबंदी 2077 (वर्ष 2021) से स्थाई वाकै ग्राम केरली नाडी,पटवार हल्का बूठ जैतमाल में राजस्व इन्द्राज एवं तहसीलदार धोरीमन्ना द्वारा किये गये सीमांकन रिपोर्ट का ध्यानपूर्वक अवलोकन किया। बाद अवलोकन पाया गया कि पत्रावली पर उपलब्ध राजस्व रिकॉर्ड वाके ग्राम केरली नाडी के अंकित इन्द्राज के अनुसार उक्त आराजी प्रार्थीगण की सालिम खातेदारी की आराजी होना साबित है। साथ ही संलग्न रिपोर्ट पैमाइश दिनांक 26.06.2025 से भी यह तथ्य प्रार्थीनी साबित है कि प्रार्थीनी द्वारा तहसीलदार धोरीमन्ना के माध्यम से हल्का पटवारी से युक्त वर्णित आराजी की पैमाइश करवाई लेकिन विप्रार्थीगण द्वारा विवाद करने पर कार्यवाही पूर्ण नहीं करवाई जा सकी। तहसीलदार रिपोर्ट के अनुसार उक्त वर्णित आराजी की खसरे की सीमाओं को लेकर अप्रार्थीगण के साथ सीमा विवाद है। इस प्रकार प्रार्थीनी की अपनी कब्जेशुदा खातेदारी आराजी की सुरक्षा तथा सीमा विवाद के निस्तारण हेतु पत्थरगढ़ी के प्रार्थना पत्र को स्वीकार किया जाकर आदेश जारी किया जाना उचित प्रतीत होता है। अतः

आदेश है कि

Signature Not Verified
Digitally signed by Bhagirath Ram Bishnoi
Date: 2025.09.29 14:14:29 IST
Reason: SelfAttested

प्रार्थना–पत्र प्रार्थीनी अंतर्गत धारा–111,12[illegible] अधिनियम–1956 के बाबत् पत्थरगढ़ी किये [illegible] आराजी खसरा संख्या 392/36[illegible] है0 वांके [illegible] केरली नाडी, पटवार हल्का बूठ जैतमाल तहसील धोरीमन्ना जिला बाड़मेर पर प्रार्थीनी एवं संबंधित पक्षकारों/हितधारकों की पूर्व सू[illegible] उपस्थिति में खातेदारी

उपखण्ड अधिकारी
धोरीमन्ना, बाड़मेर

पदमीदेवी बनाम खेताराम
2025 / 142
निर्णय दिनांकः—01.08.2025

आराजी पर पत्थरगढ़ी किये जाने के आदेश तहसीलदार धोरीमन्ना को दिये जाते हैं एवं साथ ही निर्देश दिये जाते हैं कि अप्रार्थीगण को मौके पर उपस्थित रहने बाबत जरिये नोटिस पूर्वसूचित करते हुए पत्थरगढ़ी की जाकर पालना रिपोर्ट न्यायालय को अवगत करायें। पक्षकार अपना—अपना खर्चा स्वयं वहन करेंगे।

आदेश प्रतिपालनार्थ हेतु तहसीलदार धोरीमन्ना को भिजवाई जावें। अहकाम पृथक से जारी किया जावे।

यह आदेश मेरे द्वारा आज दिनांक 01.08.2025 को लिखवाया जाकर सरे—इजलास सुनाया जाकर हस्ताक्षर व मोहर युक्त जारी किया गया।

1/8/2025

(भागीरथ राम आर.ए.एस.)
उपखण्ड अधिकारी
धोरीमन्ना (बाड़मेर)

Signature Not Verified

Digitally signed by Bhagirath Ram Bishnoi
Date: 2025.09.29 14:14:29 IST
Reason: SelfAttested